

## श्रीकमलाकवचम्

{ श्रीकमलाकवचम् }

श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ अस्याश्चतुरक्षराविष्णुवनितायाः

कवचस्य श्रीभगवान् शिव ऋषीः ॥

अनुष्टुप्छन्दः ॥ वाग्भवा देवता ॥

वाग्भवं बीजम् ॥ लक्षा शक्तिः ॥

रमा कीलकम् ॥ कामबीजात्मकं कवचम् ॥

मम सुकवित्वपाण्डित्यसमृद्धिसिद्धये पाठे विनियोगः ॥

अैङ्कारो मस्तके पातु वाग्भवां सर्वसिद्धिदा ॥

ह्रीं पातु यक्षुषोर्मध्ये यक्षुर्युग्मे य शाङ्करी ॥ १ ॥

त्रिह्रियां मुभवृत्ते य कर्णयोर्दन्तयोर्नसि ॥

ओष्ठाधारे दन्तपट्टौ तालुमूले हनौ पुनः ॥ २ ॥

पातु मां विष्णुवनिता लक्ष्मीः श्रीवर्णरूपिणी ॥

कर्णयुग्मे भुजद्वन्द्वे स्तनद्वन्द्वे य पार्वती ॥ ३ ॥

हृदये मणिबन्धे य त्रीवायां पार्श्वयोर्द्वयोः ॥

पृष्ठदेशे तथा गुह्ये वामे य दक्षिणे तथा ॥ ४ ॥

उपस्थे य नितम्बे य नाभौ वंघाद्वये पुनः ॥

जानुयुक्ते पदद्वन्द्वे घुटिकेऽङ्गुलिमूलके ॥ ५ ॥

स्वधा तु प्राणशक्त्यां वा सीमन्यां मस्तके तथा ॥  
सर्वाङ्गे पातु कामेशी महादेवी समुन्नतिः ॥ ५ ॥

पुष्टिः पातु महामाया उत्कृष्टिः सर्वद्वन्द्वतु ॥  
ऋद्धिः पातु सद्य देवी सर्वत्र शम्भुवल्लभा ॥ ७ ॥

वाग्भवा सर्वद्व पातु पातु मां हरगोहिनी ॥  
रमा पातु महादेवी पातु माया स्वराट् स्वयम् ॥ ८ ॥

सर्वाङ्गे पातु मां लक्ष्मीर्विष्णुमाया सुरेश्वरी ॥  
विजया पातु भवने जया पातु सद्य मम ॥ ९ ॥

शिवद्वती सद्य पातु सुन्दरी पातु सर्वद्व ॥  
भैरवी पातु सर्वत्र भेरुण्डा सर्वद्वन्द्वतु ॥ १० ॥

त्वरिता पातु मां नित्यमुग्रतारा सद्यद्वन्द्वतु ॥  
पातु मां कालिका नित्यं कालरात्रिः सद्यद्वन्द्वतु ॥ ११ ॥

नवदुर्गाः सद्य पातु कामाख्या सर्वद्वन्द्वतु ॥  
योगिन्यः सर्वद्व पातु मुद्राः पातु सद्य सम ॥ १२ ॥

मात्राः पातु सद्य देव्यश्चक्रस्था योगिनी गणाः ॥  
सर्वत्र सर्वकार्येषु सर्वकर्मसु सर्वद्व ॥ १३ ॥

पातु मां देवदेवी य लक्ष्मीः सर्वसमृद्धिद्व ॥

॥ ष्टि विश्वसारतन्त्रे श्रीकमलाकवचं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Ravin Bhalekar ravibhalekar@hotmail.com

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

Last updated त्oday

<http://sanskritdocuments.org>

Kamala Kavacham Lyrics in Gujarati PDF

% File name : shriikamalaakavach.itx

% Category : kavacha

% Location : doc\\_devii

% Author : Traditional

% Language : Sanskrit

% Subject : philosophy/hinduism/religion

% Transliterated by : WebD

% Proofread by : Ravin Bhalekar ravibhalekar at hotmail.com

% Description-comments : vishvasAratantra

% Latest update : August 18, 2004

% Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

% Site access : <http://sanskritdocuments.org>

%

% This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study

% and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of

% any website or individuals or for commercial purpose without permission.

% Please help to maintain respect for volunteer spirit.

%

We acknowledge well-meaning volunteers for [Sanskritdocuments.org](http://Sanskritdocuments.org) and other sites to have built the collection of Sanskrit texts.

Please check their sites later for improved versions of the texts.

This file should strictly be kept for personal use.

PDF file is generated [ October 13, 2015 ] at [Stotram](http://Stotram) Website